१. चित्र

रेखांकन

१. रेखाओं के प्रकार

रेखांकन से तात्पर्य रेखा खींचना है ।

रेखाओं को एक-दूसरे से जोड़ने से आकार तैयार होते हैं, जैसे - | — / \ ये विभिन्न रेखाएँ हैं। इन्हें एक-दूसरे से जोड़ने से □ ⬡ △ ▭ जैसे आकार बनते हैं और ऐसे आकारों से चित्र बनते हैं।

आकार जितना सुडौल होगा; चित्र उतना ही सुंदर, बढ़िया बनेगा । चित्र की रेखाओं के विभिन्न प्रकार देखो ।

मेरी कृति :

१. कागज पर रेखाओं के विभिन्न प्रकार बनाकर उनपर ऊन के टुकड़े चिपकाओ ।

२. गीली मिट्‌टी का एक समतल चौकोर तैयार कर उसपर तीली अथवा खाली रिफिल से रेखाओं के प्रकार उकेरो ।

३. कागज पर पेंसिल से एक बड़ा आकार बनाकर उसपर काला स्केचपेन फेरो । भीतरवाले हिस्से में रंगीन स्केचपेन या पेंसिल से रेखाओं के प्रकार बनाओ ।

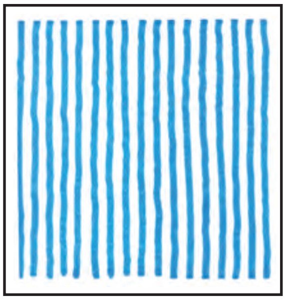
खड़ी रेखाएँ

आड़ी रेखाएँ

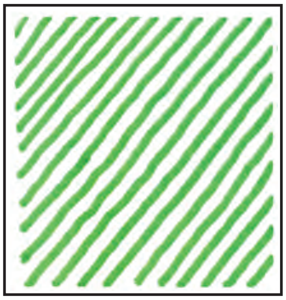
तिरछी रेखाएँ

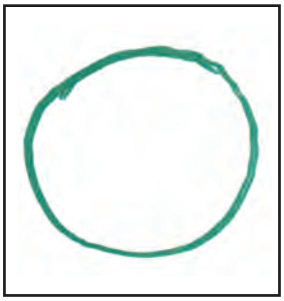
वृत्ताकार रेखाएँ

सर्पिलाकार रेखा

गुत्थीवाली रेखाएँ

◆ रेखांकन के लिए आवश्यकता के अनुसार मार्गदर्शन करें । क्या रेखांकन द्‌वारा डिजाइन तैयार किया सकता है; इसपर चर्चा करें ।

२. रेखा की रोचकता

- रेखाओं की सहायता से विभिन्न वस्तुओं के बाह्य आकार बनाओ । जैसे-घर, पतंग, रॉकेट, नाव, फूलदान, मछली, बादल, फल, पत्ते आदि ।
- काले स्केच पेन से इन आकारों को फेरो। भीतरी भाग को रंगीन पेन, स्केच पेन, पेंसिल से गुत्थीवाली रेखाओं से रँगो । एक रोचक चित्र तैयार होगा।

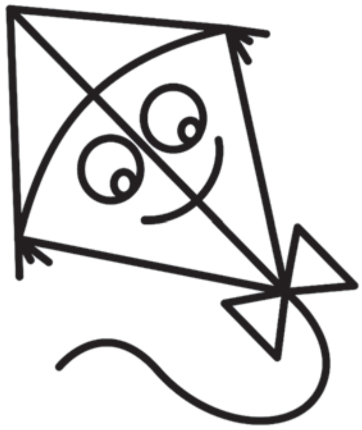

मेरी कृति :

- एक बड़ा गोल आकार बनाओ । उसमें दो-तीन छोटे गोल बनाओ तथा उनपर बीज, मनके, टिकुलियाँ रखो । इन्हें रखते समय ध्यान दो कि गोल आकार नहीं बदलेगा ।

३. बिंदुओं का खेल

निम्न चौकोनों में क्रमश: समान दूरी पर छोटे-बड़े, मध्यम, ठोस तथा पोले बिंदु बनाओ ।

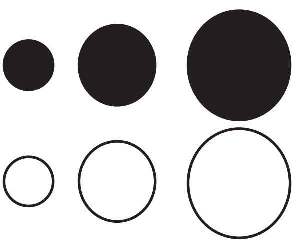

मेरी कृति : रंगीन पेंसिल, स्केचपेन या मार्कर पेन का उपयोग करते हुए बिंदु बनाने का अभ्यास करो।

स्मरण चित्र

रेखांकन

किसी घटना / प्रसंग को अथवा उसका स्मरण करते हुए बनाए गए चित्र को स्मरण चित्र कहते हैं । चित्रकला में स्मरण चित्र का अत्यंत महत्व है । आस–पास की वस्तुएँ, दृश्य, प्रसंग का स्मरण करते हुए उनके चित्र बनाने का प्रयत्न करेंगे ।

जैसे–

- मेरा घर
- मेरे आँगन में खिले फूल
- बिल्ली
- मेरा देखा हुआ बादल
- मेरा देखा हुआ हाथी
- मेरा पसंदीदा फल
- मेरा पसंदीदा पंछी

मेरे चित्र

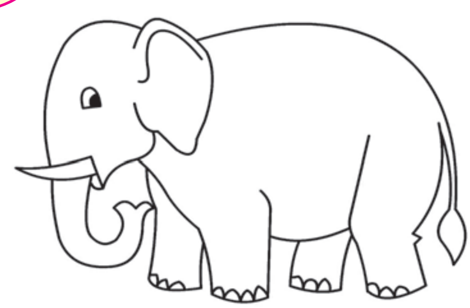

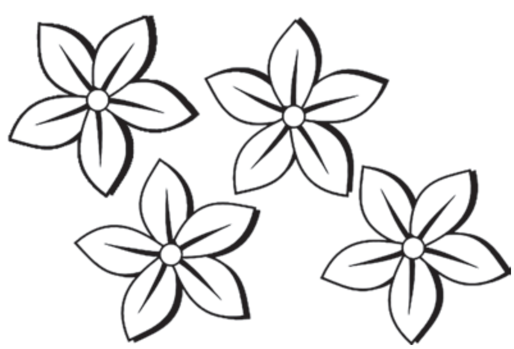

मेरी कृति :

- वारली चित्र प्रकार को समझो तथा कुछ वारली चित्र बनाकर देखो ।

◆ विद्‌यार्थी देखकर चित्र नहीं बनाएँगे; इसकी ओर ध्यान रखें । चित्र में त्रुटियाँ न निकालें । उसके भाव समझें । चित्र उनकी नवनिर्मिति होती है । उनके चित्र अन्य विद्‌यार्थियों को दिखाकर उनकी सराहना करें ।

कल्पना चित्र

हम सभी हमेशा चंद्रमा को देखते हैं । वह कभी पूरा गोल होता है तो कभी उसकी चंद्रकला दिखाई देती है । उसका आकार क्रमश: बढ़ता रहता है या कम होता रहता है । अमावस्या को आकाश में चंद्रमा दिखाई नहीं देता है । ऐसे चंद्रमा को लेकर कल्पनाएँ करते हुए चित्र बनाएंगे । कल्पना करते हुए बनाए गए चित्र को कल्पना चित्र कहते हैं ।

जैसे :

- बादलों को पानी समझकर चंद्र नौका
- चंद्रमा झूला बन जाए तो......
- चंद्रमा के पैर होते तो....
- चंद्रमा छिपा झाड़ी में
- चंद्रमा का गाँव
- चंद्रमा हँसने लगा
- चंद्रकला
- चंद्रमा की यात्रा
- पूर्णिमा का चंद्रमा
- सो गया चंद्रमा
- चंदा की टोपी
- चंदा का बंगला

मेरी कृति :

- निम्न विषयों पर कल्पना के आधार पर चित्र बनाओ । जैसे – सूर्य, चिड़िया, गुड़िया, परी रानी, मेरा पसंदीदा कार्टून आदि ।

◆ चंद्रमा विषय पर चर्चा करवाएँ । इस चर्चा में विद्‌यार्थी चंद्रमा के विषय में अपनी कल्पनाएँ बताएँगे तथा उन्हें चित्रित करेंगे। चंद्रमा की बोलती आँखें, गोल नाक, मुस्कुराता मुख आदि बनाने से चित्र अपने-आप उन्हें अपनी कल्पना का चित्र लगेगा। अपने अनुभव विश्व के कल्पना चित्र बनाने के लिए आवश्यक उपक्रम / परियोजना / कृति दें ।

संकल्प चित्र

ज्यामितीय आकारों का उपयोग कर नक्काशी कार्य करना

नक्काशी कार्य

रेखाओं को आकर्षक मोड़ देकर की गई सजावट को नक्काशी कार्य कहते हैं । यह नक्काशी अनेक प्रकार से बनाई जा सकती है । नक्काशी कार्य को 'संकल्प चित्र' भी कहते हैं । संकल्प चित्र विविध प्रकारों से बनाए जाते हैं । उनमें एक प्रकार ज्यामितीय आकार है । इस प्रकार में त्रिभुज, चौकोन, वृत्त जैसे ज्यामितीय आकार बनाए जा सकते हैं ।

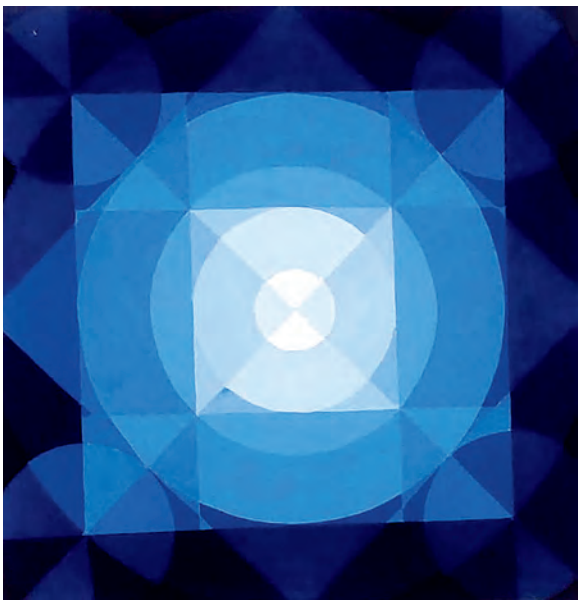

मेरी कृति :

- चौकोन बनाकर उसमें दो, तीन या अनेक रेखाएँ बनाकर निर्धारित भाग काले स्केचपेन या रंग से रँगो ।

◆ किन-किन वस्तुओं पर नक्काशी कार्य किया जाता है ; इसकी चर्चा करते हुए उन वस्तुओं की सूची बनाओ ।

छापा कार्य

(१) हाथ की छाप

तुम अपने हाथ धोते हो ना ? इसलिए वे साफ रहते हैं । हाथ को ध्यान से देखो। हाथ पर क्या-क्या दिखाई देता है; वह देखो....... उसपर अलग-अलग प्रकार की रेखाएँ दीखती हैं । कोई छोटी हैं तो कोई बड़ी, कोई फीकी है तो कोई गाढ़ी, कोई सीधी हैं । चित्र बनाने के लिए क्या उनका उपयोग किया जा सकता है ? चलो, देखेंगे ।

सामग्री – कागज, विविध जलरंग, स्केच पेन, पानी आदि ।

हाथों में अलग-अलग रंग लगवा लो । ये रंग न ही अधिक पक्के रँगाने चाहिए और न ही अधिक हल्के । उचित मात्रा में रंग लेकर रंग की समान परत हाथ पर लगाओ । इन हाथों की छाप कागज पर अंकित करके देखो । बढ़िया ! कितनी सुंदर दीखती हैं ये छापें ! थोड़ा अभ्यास करेंगे ।

अब दोनों हाथों की छापें जोड़ेंगे । यह सुंदर तितली दीखेगी, स्केच पेन से उसकी आँखें तथा अन्य अवयव बनाएँगे । है कि नहीं मजेदार ! देखो तो और क्या-क्या बना सकते हैं...

मेरी कृति : हाथ की छापों का उपयोग कर अलग – अलग डिजाइन बनाओ ।

◆ कक्षा के बाहर दीवार पर बड़ा कागज चिपकाओ । उसपर सभी विद्‌यार्थियों से उनकी पसंद के अनुसार हाथों की छापें अंकित करने के लिए कहें । निरीक्षण करने के पश्चात किसी भी हाथ के छापों के आधार पर अपनी कल्पना के अनुसार चित्र बनाने के लिए कहें।

(२) मसले/गींजे कागज का छापा कार्य

सभी को कागज अच्छा लगता है। किसी को कागज की तह बनाना, फाड़ना तो किसी को मसलना/गींजना अच्छा लगता है। चलो तो फिर इसी कागज का आनंद लेते हैं। मसला हुआ कागज हम फेंक देते हैं परंतु उसके द्‌वारा भी सुंदर चित्र बनाए जा सकते हैं। इसके लिए हमें विविध रंग, वॉटर/पोस्टर कलर, कागज, चित्रकला कॉपी आदि वस्तुओं की आवश्यकता होती है।

क्या करना है ?

(१) एक कागज लेकर उसे हाथ से मसलो/गींजो।

(२) मसले हुए कागज का निरीक्षण करो।

(३) मसला हुआ कागज रंग में डुबो लो।

(४) उसकी छाप कॉपी में अंकित करो।

(५) उस छाप से चित्र बनाओ।

(६) छापों का निरीक्षण करो।

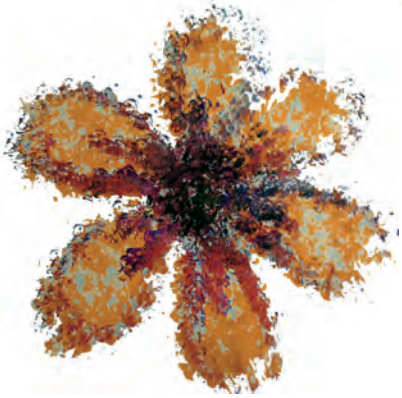

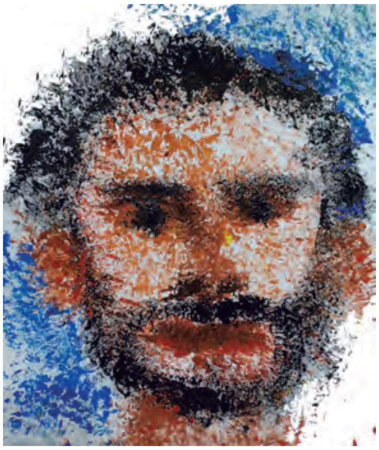

मेरी कृति : मसले हुए कागज की छापों से विभिन्न चित्र बनाओ।

- विद्‌यार्थियों का गुट बनाकर मसले हुए कागजों से चित्र बनवा लें।
- विभिन्न प्रकार के कागज संग्रहीत करने का उपक्रम दें तथा उन कागजी छापों के बीच के अंतर का निरीक्षण करने के लिए कहें और चर्चा करवाएँ।

चिपक कार्य

• समअंगी चिपक चित्र

पिछली कक्षा में हमने चिपक चित्र कार्य सीखा है। अब चिपक कार्य का अलग प्रकार सीखेंगे। उसके लिए निम्न सामग्री की आवश्यकता होती है।

सामग्री – विभिन्न रंग के कागज, कैंची, गोंद आदि।

- रंगीन कागजों के त्रिभुज, वृत्त, चौकोर आदि विभिन्न आकार काट लो।
- सफेद ड्राइंग पेपर पर एक चौकोर बनाओ।
- इस चौकोर में अपनी इच्छानुसार काटे हुए आकार चिपकाओ। एक सुंदर-सा चिपक चित्र (कोलाज) बना हुआ दीखेगा। इसी तरह से विभिन्न चिपक चित्र तैयार करेंगे। इस प्रकार में रंगीन पेंसिल, खड़िया और जलरंग के बदले रंगीन कागज, कपड़े के टुकड़ों, मनकों, बीजों आदि का उपयोग कर सुंदर चिपक चित्र तैयार होता है।

विभिन्न रंगी कागज

आयाताकार कागज

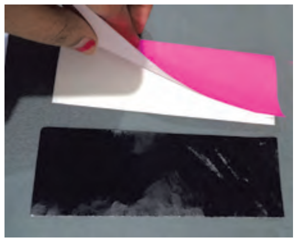

आधा तह किया हुआ कागज

आधे आकारवाला दूसरा कागज भीतर रख दो

कैंची से काटे हुए आकार

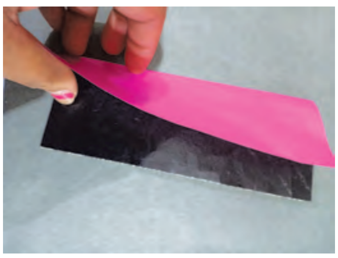

एक जैसे आकार चिपकाकर पूर्ण बना हुआ चिपक चित्र

मेरी कृति :

- रंगीन कागजों के बदले सिलाई कार्य से बचे हुए रंगीन कपड़े के टुकड़ों का उपयोग कर चिपक चित्र तैयार करो।

◆ निरुपयोगी कागज, कपड़े के टुकड़े तथा अन्य वस्तुओं का उपयोग कर चिपक चित्र तैयार करने के संदर्भ में मार्गदर्शन करें।

रंग कार्य

(१) रंग के विभिन्न माध्यम

सक्षम : मेरा चित्र तैयार हुआ है परंतु इसमें मैं किन रंगों का उपयोग करूँ ?

अनु : तुम्हारे पास कौन-कौन - से रंग हैं ?

सक्षम : मेरे पास तैलिय खड़ियाँ के रंग हैं ।

अनु : अरे वाह ! इन तैलीय खड़ियों से तो यह चित्र बहुत सुंदर रँगाया जा सकेगा । मेरे पास रंगीन पेंसिलें हैं । क्या उनका उपयोग करूँ ?

दीदी : हमारे पास जो रंग होते हैं; हम उन्हीं रंगों का उपयोग करते हैं । पर रंगों के अनेक प्रकार होते हैं। उन्हें रंगों का माध्यम कहते हैं ।

सक्षम : ये माध्यम कौन-कौन-से हैं दीदी ! हमें भी बताओ ना !

दीदी : बताती हूँ... वैक्स क्रेयान्स या पस्टल, ऑयल पेस्टल अर्थात तैलीय खड़िया, प्लास्टिक क्रेयान्स, रंगीन पेंसिल, स्केचपेन, मार्कर, जलरंग अर्थात वॉटर कलर । साथ ही; पोस्टर कलर जैसे रंगों के अनेक प्रकार हैं ।

अनु : क्या रंगों के इतने प्रकार होते हैं ? अरे वाह! हम भी ऐसे विभिन्न रंगों का उपयोग करेंगे ।

दीदी : प्रत्येक रंग को उपयोग में लाने की प्रणाली अलग - अलग होती है ।

अनु : जैसे-जैसे हमारे पास रंग उपलब्ध होंगे; वैसे-वैसे उनका उपयोग करके देखेंगे ।

सक्षम : हाँ! इन सभी प्रकारों का उपयोग करने में तो बहुत ही आनंद आएगा ।

मेरी कृति : तुम्हारे पास उपलब्ध रंग माध्यमों का उपयोग करके चित्र रँगाकर देखो ।

◆ विद्यार्थियों को विभिन्न रंग माध्यमों का परिचय कराकर जानकारी दें ।

(२) प्राकृतिक रंग

हमारे आस-पास रंग-बिरंगे फूल, पत्ते, फल होते हैं । उनसे रंग बनाए जाते हैं । उन्हें प्राकृतिक रंग कहते हैं । विभिन्न रंगों के फूलों, पत्तों, फलों में पानी मिलाकर या उन्हें कूटकर, उनका रस निकालकर रंग बनाए जा सकते हैं ।

रंग	प्राकृतिक घटक
पीला	गेंदा, हल्दी, हल्दी की गाँठ, पीले रंग के फूल
लाल	कुमकुम, पलाश के फूल, गुलाब, शहतूत
गाढ़ा गुलाबी	अनार का रस, चुकंदर
जामुनी रंग	जामुन
केसरिया	केसरिया रंगों के फूल
चॉकलेट (कत्थई)	ईंट/रोड़ा
भूरा	राख
काला	कोयला, जला हुआ ठूंठ (तना)
सफेद	चूना, पेंसिल का चूर्ण, धान का पेस्ट
हरा/तोते के रंग का	विविध वृक्षों के पत्ते
नीला	नील, नीले रंग के फूल

मेरी कृति :

- प्राकृतिक रंग तैयार करो। चित्र में उन्हीं रंगों को भरो।
- होली खेलने के लिए प्राकृतिक रंग तैयार करो और उनका उपयोग करो।

◆ ऊपर बताए अनुसार या इनके अतिरिक्त अन्य प्राकृतिक रंग तैयार कर चित्र रँगवा लें । प्राकृतिक रंग तैयार करने के लिए उपलब्ध सामग्री का उपयोग करें ।